AMAT Song

आज परीक्षा नहीं,
परमात्म संग का उत्सव है…

ज्ञान के मोती लुटा रहे,
बाबा स्वयं परीक्षक है।
मन में डर नहीं, उमंगों की बहार है,
हर प्रश्न में छुपा याद का उपहार है।

आज परीक्षा नहीं,
परमात्म संग का उत्सव है…

मुरली के शब्द जैसे रौशनी की धार,
हर उत्तर में छिपा आत्मा का संसार।
जो दे परीक्षा, वही पार उतरेगा,
बाबा की मुरली से भाग्य निखरेगा।

आज परीक्षा नहीं,
परमात्म संग का उत्सव है…

चलो आज दिल से प्रतिज्ञा करें,
हर उत्तर बाबा को समर्पण करें।
जीत हमारी, जब निश्चय हमारा,
संग बाबा का तो क्या हारे प्यारा!

आज परीक्षा नहीं,

परमात्म संग का उत्सव है…

बाबा की याद सबसे बड़ा मंत्र है,
हर प्रश्न में बसा जीवन का तंत्र है।
अनुभव भी मधुर, जब याद का रस हो,
प्यार का रंग हर उत्तर में बस हो।

अमृत का झरना — ये अव्यक्त वाणियां,
मधुबन से सब को ढेर सारी शुभ कामनाएं।